केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 335 शनिवार 5 जुलाई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

द्वारिकाधीश जा रहे बस्ती के 3 लोगों की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुजरात–राजस्थान बॉर्डर पर गुरुवार देर रात 2.30 बजे एक भीषण सड़क हादसे में बस्ती के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के जोगीबारी गांव से एक परिवार कार से द्वारकाधीश मंदिर के दर्शन के लिए जा रहा था। रास्ते में कार की टक्कर एक ट्रक से हो गई, जिसके बाद कार खाई में जा गिरी।

हादसे में कार चालक संतोष पांडे, सुमावती देवी और प्रमिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मिठाई लाल, अनीता, आशीष और कविता गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पहले सांचौर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें गुजरात के एक प्राइवेट अस्पताल में रेफर कर दिया। फिलहाल चारों को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है।

गुजरात पुलिस ने हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और ट्रक की तलाश शुरू कर दी गई है। मृतकों में शामिल सुमावती देवी एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में रसोईया के पद पर कार्यरत थीं, जबकि मिठाई लाल मजदूरी करते थे।

29 जून की सुबह 7 बजे परिवार द्वारकाधीश के दर्शन के लिए रवाना हुआ था। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि यह यात्रा उनके लिए इतनी भयानक साबित होगी। घटना की सूचना मिलते ही जोगीबारी गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवार के सहयोग के लिए घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे हैं।

पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम राजस्थान के सांचौर में करवाया और शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

सरयू का जल स्तर बढा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पहाड़ों से लेकर मैदान तक होने वाली बरसात के चलते सरयू का जलस्तर बढ़ रहा है। एलिंग ब्रिज और अयोध्या में जलस्तर की बढ़ोत्तरी जारी है। अयोध्या में सरयू का जलस्तर वार्निंग लेवल पर पहुंच गया है। बाढ़ खंड प्रथम के एसडीओ सहायक अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि ऊपरी हिस्से में जलस्तर कम हो रहा है। इसका असर अयोध्या में भी 24 घंटे बाद दिखने की संभावना है।

जलस्तर बढ़ने के साथ लोलपुर विक्रमजोत तटबंध और बीडी तटबंध पर बाढ़ और कटान से निपटने के लिए तैयारी पूरी है। बंधे के रैटहोल और शाही होल की पूरी पैचिंग कर सर्विस रोड की मरम्मत कार्य पूरा हो गया है। कन्हईपुर और संदलपुर में बन रहे डैम्पनरों का कार्य अंतिम चरण में पहुंच कर बाधित हो गया है, जिसे जलस्तर घटते ही पूरा करा लिया जाएगा। लोलपुर विक्रमजोत तटबंध के घघौवा में बनी बाढ़ चौकी पर जेई अतुल सिंह और जेई आरके नायक की निगरानी ड्यूटी लगाई गई है। जलस्तर बढ़ने से पानी तटबंध से सट गया है। ग्रामीणों का मानना है कि वार्निंग लेवल पार करने पर बाढ़ का पानी कल्याणपुर, भरथापुर, चांदपुर और पड़ाव में घुसने लगता है। बढ़ते जलस्तर को लेकर गांववाले अभी से आशंकित हैं।

एक सीमा, तीन दुश्मन, चीन ने आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को बनाया हथियारों की प्रयोगशाला

नई दिल्ली। (आभा)। भारतीय थल सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (कैपेबिलिटी डेवेलपमेंट एंड सस्टेनेंस) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सामने आए रणनीतिक सबकों पर खुलकर चर्चा की। नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन आधुनिक युद्ध की जटिलताओं को उजागर करने वाला एक अहम अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि भारत को एक नहीं, बल्कि तीन दुश्मनों का सामना करना पड़ा पाकिस्तान, चीन और तुर्की का अप्रत्यक्ष समर्थन। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के दौरान पाकिस्तान चीनी हथियारों की प्रयोगशाला बना हुआ था।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, "इस ऑपरेशन में हमारे सामने एक ही सीमा पर तीन दुश्मन थे। पाकिस्तान सामने था, लेकिन चीन ने उसे हर संभव मदद दी। पाकिस्तान के 81: सैन्य उपकरण अब चीनी हैं।" उन्होंने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान को चीन की ओर से भारत के "महत्वपूर्ण वेक्टरों" की लाइव जानकारी मिल रही थी, जिससे उसकी रणनीति को सीधा फायदा हुआ।

जनरल सिंह ने यह भी बताया कि तुर्की ने पाकिस्तान को उलांजंत ड्रोन समेत कई तरह की आधुनिक ड्रोन तकनीक मुहैया कराई, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से यह स्पष्ट हो गया कि भारत को एक और अधिक मजबूत व आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इस बार हमारी आबादी वाले इलाकों को ज्यादा निशाना नहीं बनाया गया, लेकिन अगली बार ऐसा हो सकता है। हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा आतंकवादी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों की सराहना की। उन्होंने बताया कि कुल 21 टारगेट्स की पहचान की गई, जिनमें से 9 को अंतिम क्षण में अटैक के लिए चुना गया। यह फैसला अंतिम दिन, अंतिम घंटे में लिया गया ताकि प्रभावी संदेश दिया जा सके कि भारत एक एकीकृत और रणनीतिक दृष्टिकोण वाला देश है।

जनरल सिंह ने यह भी जोड़ा कि ऑपरेशन सिंदूर में त्रि–सेना रणनीति को अपनाया गया ताकि स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि भारत किसी भी खतरे से सामूहिक रूप से निपटने में सक्षम है।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के गांव अगौना में लगाया एक पेड़ मां के नाम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शुक्रवार को एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम की कड़ी में महादेवा विधानसभा क्षेत्र के अगौना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जन्मस्थली में पौधरोपण किया गया ।

एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के जिला संयोजक श्र अभिनव उपाध्याय, महादेवा विधानसभा के पूर्व विधायक रवि सोनकर ने पौध लगाने के बाद कहा कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जन्मस्थली हरा भरा रहे इसकी पहल सबको मिलकर करना होगा। कहा, कि यह एक सराहनीय पहल है जो हमारे वनस्पतियों और जीवों को बढ़ाएगी। जैसे–जैसे ये पेड़ बड़े होंगे, ये हमारे पर्यावरण को बेहतर बनाएंगे, हवा को शुद्ध करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देंगे। कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' के माध्यम से, हमारा उद्देश्य माताओं के बिना शर्त प्यार का सम्मान करते हुए हरित स्थान बनाना है। हम प्रत्येक नागरिक, ग्रामीणों से इस अच्छे काम में शामिल होने का आग्रह करते हैं। जिससे हरियाली बढे और प्रदूषण से मुक्ति मिले।

कार्यक्रम में महादेवा विधानसभा के सयोंजक श्रुति अग्रहरि , कलवारी मंडल के संयोंजक प्रेम प्रकाश, चौधरी सहित पदाधिकारी बंधु और कार्यकर्ता शामिल रहे।

पेशेवर अपराधी के विरूद्ध गैंगेस्टर में कार्रवाई करे प्रशासन- राजन चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विश्व ज्ञान क्रान्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन चौधरी ने मुख्य सचिव, डीजीपी के साथ ही सम्बधित अधिकारियों को पत्र देकर पेशवर अभियुक्त सोनहा थाना क्षेत्र के परसाखुर्द बुर्जुग उर्फ दरियापुर जंगल निवासी शैलेष पुत्र हृदयराम पर गैंगेस्टर की कार्यवाही करने की मांग किया है।

भेजे पत्र में राजन चौधरी ने कहा है कि शैलेष के विरूद्ध सोनहा के साथ ही जनपद के अनेक थानों में गंभीर मामलों में मुकदमें दर्ज है। वह लगातार अपराध को अंजाम दे रहा है। यही नहीं उसने राजन चौधरी को जान से मार देने की नीयत से कई गाडी का पीछा किया और घर पर खडी गाडी नम्बर यूपी 51 ए.बी. 3132 कार को जला दिया । उसके अपराध पर पुलिस और प्रशासन चुप्पी साधे हुये हैं। मांग किया कि ऐसे शातिर अपराधी के विरूद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही की जाय।

आप सांसद संजय सिंह 8 को बस्ती में:तैयारी बैठक में दायित्वों का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी की बैठक जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के आगामी 8 जुलाई को बस्ती आगमन को लेकर रूप रेखा पर विचार किया गया।

बैठक में बौद्ध प्रान्त के प्रान्तीय उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल, सह प्रभारी पतिराम आजाद ने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुये संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने बताया कि बैठक में सांसद संजय सिंह के स्वागत एवं अन्य कार्यक्रमों के लिये पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण किया गया।

बैठक में महिला जिलाध्यक्ष मिथलेश भारती, जिला महासचिव चन्द्रभान कन्नौजिया, संजय कुमार, चन्द्रमुखी, वीरेन्द्र यादव, तिलकराम मौर्या, राम अदालत गुप्ता, इन्द्रजीत कुमार, भोला राम यादव आदि उपस्थित रहे।

आशा अधिकार मंच की बैठक में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शुक्रवार को आशा अधिकार मंच की बैठक अमहट शिव मंदिर के परिसर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आशा बहुओं को मार्च माह का मानदेय उपलब्ध कराये जाने, संचारी रोग मुक्ति अभियान में कार्य करने पर भुगतान दिये जाने आदि मुद्दों पर विचार किया गया। जिलाध्यक्ष इसरावती चौधरी ने कहा कि यदि मांगे न मानी गई तो संगठन आन्दोलन को बाध्य होगा।

बैठक में प्रदेश सचिव शारदा देवी, निर्मला तिवारी, संगीता देवी, ममता पाण्डेय, राजकुमारी, पिंकी, सरोज वर्मा, सूर्यमुखी, प्रीती यादव, विन्दवासिनी आदि शामिल रहीं।

यूपी में 2 नये निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने दो नए निजी विश्वविद्यालयों के संचालन को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय की स्थापना की अनुमति दे दी है। साथ ही गाजियाबाद में अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए आशय पत्र जारी कर दिया है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी के जरिए उच्च शिक्षा में नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा युवाओं को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थानों तक पहुंच प्रदान करने के लिए दोनों विश्वविद्यालय प्रस्तावों को समयबद्ध प्रक्रिया के तहत मंजूरी दी गई है।

मंत्री ने बताया कि अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर अनुमति प्रदान कर दी गई है। यह विश्वविद्यालय अब निर्धारित शर्तों और आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार औपचारिक रूप से संचालित हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि इसी तरह भारतीय प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग सोसायटी, गाजियाबाद द्वारा प्रस्तावित अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा छह के तहत आशय पत्र जारी किया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए संस्थान को कुछ आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। इनमें न्यूनतम पांच करोड़ रुपये की बंदोबस्ती निधि, शहरी क्षेत्र में 20 एकड़ भूमि और कम से कम 24 हजार वर्ग मीटर का शैक्षणिक बुनियादी ढांचा शामिल है।

–अयोध्या में खुलेगा महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय

डीएम ने किया संचारी रोग अभियान का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने नगर पालिका परिषद के अन्तर्गत नरहरिया वार्ड में संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि नालियों में एंटीलार्वा छिड़काव व फागिंग का कार्य किया जा रहा है। वार्ड के सभासद द्वारा अवगत कराया गया कि सुबह इस वार्ड की साफ–सफाई चेक की गयी है, वार्ड में सफाई कर्मचारी का स्टाफ बहुत कम है, स्टाफ बढ़ाने की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने देखा कि गलियों के नालियों में कहीं–कहीं साफ–सफाई ठीक ढंग से नहीं है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिया कि मोहल्ले के लोगों को भी जागरूक किया जाए कि साफ की हुई नाली में फिर से कचरा न डालें। इस जागरूकता हेतु सभासद की सहायता भी लें। निरीक्षण के समय वार्ड के सभासद, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद व संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रशासन बताये आमा गांव ग्राम पंचायत है या नगर पंचायत में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड का आमा गांव न तो नगर पंचायत में है न ग्राम पंचायत में। इससे जहां विकास कार्य बाधित है वहीं नागरिक जन्म–मृत्यु प्रमाण–पत्र आदि बनवाने के लिये परेशान हैं। अनेकों बार जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देने के बावजूद समस्या पूर्ववत बनी हुई है। भानपुर तहसील क्षेत्र के आमा निवासी दीपेश विक्रम सिंह के पिता ओम प्रकाश सिंह का गत 3 दिसम्बर 2024 को निधन हो गया। तभी से उनके पुत्र और परिवार के लोग मृत्यु प्रमाण–पत्र बनवाने के लिये दौड़ रहे हैं। मृत्यु प्रमाण–पत्र न बनने के कारण दीपेश विक्रम सिंह की माता को पेन्शन तक नहीं मिल पा रहा है। बैंक व तहसील में वरासत का काम बाधित है। इसी तरह से अनेक परिवारों के लोग परेशान हैं।

आमा निवासी दीपेश विक्रम सिंह ने बताया कि वे मुख्यमंत्री से लेकर जिलाधिकारी और सम्बंधित अधिकारियों से पत्राचार करते थक गये हैं किन्तु कहीं कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग किया क तत्काल प्रभाव से आमा गांव की स्थिति स्पष्ट किया जाय और यदि वह ग्राम पंचायत है तो सचिव की तैनाती हो और यदि नगर पंचायत भानपुर में है तो स्थिति स्पष्ट हो जिससे लोगों का आवश्यक कार्य बाधित न होने पाये।

–जन्म– मृत्यु प्रमाण–पत्र के लिये भटक रहे हैं लोग –उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

बच्चे की मौत के मामले में डा. एस. के. गौड़ का निजी अस्पताल सील

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान बच्चे की संदिग्ध मौत के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर गठित जांच टीम ने शुक्रवार को अस्पताल को सील कर दिया।

सोनहा थाना क्षेत्र के नरखोरिया कंचनपुर चौराहा निवासी राधेश्याम कसौधन के बच्चे को डॉक्टर एसके गौड़ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने पहले बच्चे को निमोनिया बताकर इलाज शुरू किया। बच्चे की हालत बिगड़ने और जीभ काली पड़ने पर भी नर्स ने डॉक्टर के आने का इंतजार करने को कहा। डॉक्टर गौड़ सुबह 11 बजे राउंड पर आए। उन्होंने तब बताया कि बच्चे को दिल की समस्या है। कुछ देर बाद बच्चे की मौत हो गई। परिजन डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। सीएमओ डॉक्टर राजीव निगम के अनुसार मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजन प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

डा. एस.के. गौड़ के निजी अस्पताल को सील करने में स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने लम्बा वक्त लगाया। अनेक संगठनों ने कडी कार्रवाई की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया था और आन्दोलन की चेतावनी भी दिया था।

पुण्य तिथि पर चित्रांश क्लब ने स्वामी विवेकानन्द को किया नमन्:योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। चित्रांश क्लब द्वारा शुक्रवार को कम्पनीबाग के निकट स्थित रमा टेक्निकल कॉलेज के परिसर में जिलाध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द को उनकी 123 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया।

क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, रत्नाकर श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, जी रहमान ने स्वामी विवेकानन्द के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि स्वामी विवेकानन्द महज 39 साल जिए, पर इस दौरान हजारों वर्षों का काम कर गए. उन्होंने भारत को आध्यात्मिक रूप से जागृत किया। परेशानियों और मुसीबतों के पहाड़ के बीच उनका जीवन बीता। अभावों में पैदा हुए और आजीवन इससे घिरे रहे. वे जब तक जीए बीमारियों से जूझते रहे. कहते हैं पूरे जीवन में उन्हें 31 तरह की बीमारियां हुईं। पर उन्होंने कभी इसकी परवाह नहीं की. छोटी उम्र में चौकाने वाले काम जरूर करते गए. वे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये।

क्लब अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि जब भारत कई टुकड़ों में विभाजित था, भूखमरी, महामारी से देश के अनेक हिस्से प्रभावित थे, उस समय युवा सन्यासी ने देश को ऊर्जा देने के साथ ही शिकागो के भाषण से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई। कहा कि अपने गुरु स्वामी रामकृष्ण के निधन के बाद विवेकानंद के जीवन में नया मोड़ आ गया। 25 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गेरुआ वस्त्र पहन लिया, पैदल ही पूरे भारतवर्ष की यात्रा की।

कार्यक्रम में अतुल श्रीवास्तव, दद्दुल, फूल कुमार,नरेन्द्र कुमार, मुकेश यादव, अयाज खान, जूही गुप्ता, अंशिका, नेहा, शुभम आदि ने स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 जुलाई 2025 शनिवार

सम्पादकीय

बीच बहस में मतदाता सूची

बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर विपक्ष ने चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल खड़े किये है। सबसे मुश्किल यह है कि आधार और राशन कार्ड जैसे व्यापक रूप से उपलब्ध दस्तावेजों को चुनाव आयोग स्वीकार नहीं कर रहा है. जाहिर है कि समाज के हाशिए पर रहने वाले समुदायों, जैसे दलित, आदिवासी, और अल्पसंख्यकों, के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए होने वाले चुनाव में सभी वैध मतदाताओं को मतदान का अधिकार होना चाहिए और नियम के मुताबिक अपात्र लोगों को मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए। इस दृष्टि से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश के मायने समझे जा सकते हैं। सवाल है कि अगर इस सूची को दुरुस्त करने के क्रम में किसी मजबूरी या अन्य परिस्थितियों की वजह से वैसे लोग भी मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, जो वास्तव में इसके हकदार हैं, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी।

यह सही है कि समय–समय पर अलग–अलग वजहों से अपात्र हो चुके लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की जरूरत होती है। लेकिन अब नई परिस्थितियों में जिस तरह चुनाव आयोग ने सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया की शुरुआत की है, उसमें इस बात की आशंका खड़ी हो गई है कि क्या इसमें बड़ी तादाद में वैसे लोग भी मतदान के लिए अपात्र करार दिए जाएंगे, जिनके पास आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज किन्हीं वजहों से उपलब्ध नहीं हैं। मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं। आयोग की ओर से इस सूची में बने रहने के लिए जिन स्वीकार्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, बिहार के बहुत सारे लोगों को लिए यह एक बेहद मुश्किल काम होगा।

ऐसे लोगों की भी संख्या अच्छी–खासी होगी, जिनके पास खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे और अगर वे इन्हें नए सिरे से बनवाने के काम में लगेंगे तो इसके लिए समय की जरूरत होगी। जबकि बिहार में अक्तूबर में ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए महज एक माह का समय दिया गया है।

स्वाभाविक ही इस समय के चुनाव पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए जो अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, अगर उसमें शामिल होने के पात्र लोग किन्हीं वजहों से छूट गए, तो उनके दावों और आपत्तियों को निपटाने के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी?

यह छिपा नहीं है कि बिहार में एक बड़ी आबादी ऐसे गरीब और कम शिक्षित लोगों की है, जिनके पास सरकार की ओर से जारी आधिकारिक दस्तावेज नहीं होंगे। खासतौर पर जन्म पंजीकरण के मामले में काफी पीछे रहने की वजह से बहुत कम लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र हैं। हालांकि हाशिये के समुदायों के ज्यादातर लोगों की पहुंच आधार और राशन कार्ड तक है, जिनकी मांग आमतौर पर हर चीज के लिए की जाती है। मगर यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से इन्हें स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखा गया है।

निर्वाचन आयोग की ओर से भले ही यह कहा जा रहा है कि ज्यादातर लोगों को ताजा दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन जितनी बड़ी संख्या में लोग इस दायरे में आएंगे, उनके लिए भी निर्धारित दस्तावेज जमा करना आसान नहीं होगा। इसीलिए बहुत सारे लोगों के मतदाता सूची से बाहर होने की आशंका जताई जा रही हैं और विपक्षी दल इस कवायद को समान अवसर के खिलाफ बता रहे हैं। ऐसे में आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि नए नियमों की वजह से किसी भी वैध मतदाता के मतदान का अधिकार का हनन न हो।

अखिलेश की बदलती राजनीति और हिन्दुत्व का दांव

—संजय सक्सेना—

2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव हर हाल में सत्ता में वापसी की जुगत में जुटे हैं। उत्तर प्रदेश की सियासत में सपा का आधार लंबे समय तक मुलायम सिंह यादव द्वारा स्थापित मुस्लिम–यादव (एम–वाई) समीकरण रहा है। इस समीकरण के सहारे मुलायम सिंह तीन बार और अखिलेश यादव एक बार मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे। लेकिन 2014 के बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति में आए बदलाव ने सपा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हिंदुत्व की छतरी तले विभिन्न हिंदू जातियों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है, जिसने सपा की परंपरागत रणनीति को कमजोर कर दिया है। अखिलेश यादव अब इस बदले सियासी परिदृश्य में अपनी पार्टी की छवि को नया रूप देने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की कोशिश में हैं। इसी कड़ी में सावन के पहले सोमवार, 14 जुलाई 2025 को, वे काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं, जिसे सियासी हलकों में सॉफ्ट हिंदुत्व के दांव के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में सपा की राजनीति का आधार लंबे समय तक मुस्लिम और यादव वोटर रहे हैं। लेकिन बीजेपी ने सपा पर यादववाद और मुस्लिम तुष्टिकरण की छवि गढ़ने में सफलता हासिल की है, जिससे सपा का वोट आधार सीमित होता गया। अखिलेश यादव को इस बात का अहसास हो चुका है कि केवल एम–वाई समीकरण के सहारे बीजेपी को हराना अब संभव नहीं है। यही वजह है कि वे अपनी पार्टी की छवि को बदलने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के जरिए बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी। इस रणनीति ने सपा को कुछ हद तक सफलता दिलाई, लेकिन बीजेपी ने इसके बाद फिर से सपा के खिलाफ सियासी तानाबाना बुनना शुरू कर दिया है। ऐसे में अखिलेश अब सॉफ्ट हिंदुत्व के रास्ते पर चलते हुए सनातन धर्म के प्रतीकों को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सावन का महीना, जो 11 जुलाई 2025 से शुरू हो रहा है, धार्मिक दृष्टिकोण से उत्तर भारत में खास महत्व रखता है। इस दौरान लाखों भक्त हरिद्वार से गंगा जल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं और भगवान शिव के मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। काशी, जो भगवान शिव की नगरी के रूप में जानी जाती है, सावन में भक्तों के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल बन जाती है। खासकर सावन के सोमवार को बाबा विश्वनाथ मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार सावन के पहले सोमवार को अखिलेश यादव काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं। उनके साथ देशभर से लगभग 50 हजार यादव बंधु भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह आयोजन चंद्रवंशी गोप समिति के बैनर तले हो रहा है, जिसके प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में लखनऊ में अखिलेश से मुलाकात कर उन्हें इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने का न्योता दिया था।

काशी में सावन के पहले सोमवार को यादव समुदाय की ओर से जलाभिषेक की परंपरा 1952 से चली आ रही है। इसकी शुरुआत स्व. तेजू सरदार ने की थी। हर साल यादव बंधु गौरी केदारेश्वर, तिलभांडेश्वर, और फिर दशाश्वमेध घाट से गंगा जल लेकर बाबा विश्वनाथ को अर्पित करते हैं। इसके बाद मृत्युंजय महादेव, त्रिलोचन महादेव और काल भैरव के दर्शन कर यह यात्रा पूरी होती है। इस बार अखिलेश यादव के इस आयोजन में शामिल होने को सियासी हलकों में व्यापक रूप से चर्चा का विषय माना जा रहा है। यह कदम न केवल उनकी धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि सपा की छवि को मुस्लिम परस्ती से बाहर निकालने और सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा भी है।

अखिलेश यादव की यह रणनीति उनकी पार्टी को मुलायम सिंह यादव के दौर की छवि से बाहर निकालने की कोशिश का हिस्सा है। मुलायम सिंह ने सपा की नींव मुस्लिम और यादव वोटों के आधार पर रखी थी, लेकिन बदले सियासी हालात में यह समीकरण अब पर्याप्त नहीं है। बीजेपी ने हिंदुत्व के एजेंडे को केंद्र में रखकर विभिन्न हिंदू जातियों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है। सपा पर लगातार यादववाद और मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों ने अखिलेश के लिए सत्ता में वापसी की राह को और मुश्किल बना दिया है। खासकर, ब्राह्मण और ठाकुर समुदायों के बीच सपा के प्रति नाराजगी बढ़ी है, क्योंकि अखिलेश के कुछ बयानों को इन समुदायों के खिलाफ माना गया है। ऐसे में, काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक का यह कदम सनातन धर्म को मानने वाले व्यापक समुदाय के बीच सपा की स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में एक प्रयास है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2014 के बाद से देश की सियासत में हिंदुत्व का प्रभाव बढ़ा है। बीजेपी ने हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने में सफलता हासिल की है, जिसने विपक्षी दलों को भी धार्मिक प्रतीकों और सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है। अखिलेश यादव का काशी दौरा इसी बदलते सियासी परिदृश्य का हिस्सा है। वे न केवल अपने परंपरागत यादव वोट बैंक को मजबूत करना चाहते हैं, बल्कि अन्य हिंदू समुदायों, खासकर सनातन धर्म को एकजुट देखने वालों का समर्थन भी हासिल करना चाहते हैं। हालांकि, बीजेपी की पिच पर उतरकर मुकाबला करना सपा के लिए आसान नहीं है। बीजेपी ने हिंदू समुदाय को अपना मजबूत वोट बैंक बना लिया है, और सपा का सॉफ्ट हिंदुत्व का दांव कितना कारगर होगा, यह आने वाला समय ही बताएगा।

इसके साथ ही, अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के एजेंडे को भी मजबूत करने की कोशिश में हैं। मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों पर मुखर होने के बजाय, वे अब सामाजिक समावेशिता और पीडीए फॉर्मूले पर जोर दे रहे हैं। काशी में जलाभिषेक का यह कदम न केवल धार्मिक, बल्कि सियासी दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह सपा को बीजेपी के हिंदुत्व के नैरेटिव का जवाब देने और व्यापक हिंदू समुदाय के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का मौका देता है। हालांकि, इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अखिलेश यादव कितनी कुशलता से अपनी पार्टी की पुरानी छवि को बदल पाते हैं और बीजेपी के सियासी ताने–बाने का जवाब दे पाते हैं।

कुल मिलाकर, अखिलेश यादव का सावन के पहले सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करना एक सोची–समझी सियासी रणनीति का हिस्सा है। यह कदम उनकी बदलती राजनीति को दर्शाता है, जहां वे परंपरागत एम–वाई समीकरण से आगे बढ़कर सनातन धर्म के प्रतीकों को अपनाने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह रणनीति कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की सियासत में नए रंग भरने की कोशिश में जुटे हैं।

स्त्री हो या पुरुष : अपराध अक्षम्य है

—क्षमा शर्मा—

राजा रघुवंशी हत्याकांड में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। जिस तरह मेरठ में मुसकान ने अपने पति को मारकर नीले ड्रम में बंद कर दिया था और पुरुष मित्र के साथ घूमने चली गई थी, सोनम तो अपने पति राजा के साथ ही गई थी। हां, पहले से वहां वे तीन लड़के मौजूद थे, जो कथित हत्यारे बताए जा रहे हैं। जिस तरह मुसकान के परिवार वालों ने आकर कहा कि अगर उसने ऐसा किया है, तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिले, सोनम का भाई भी इसी तरह के बयान दे रहा है। बहुत से लोग कह रहे हैं कि इस तरह के बयान पुलिस से बचने के लिए दिए जाते हैं। खैर, जो भी हो एक निरपराध लड़के ने जान गंवाई है। कल इन अपराधियों को सजा मिल भी जाए, तो राजा के माता–पिता जीवन भर इस दुःख को लेकर जीएंगे। कई लोगों ने अखबारों और सोशल मीडिया में लिखा कि लड़कियां ऐसा इसलिए कर रही हैं कि माता–पिता उनकी सुनते नहीं हैं। वे बिना उनकी मर्जी के शादी कर देते हैं। अगर वे उनकी सुन लें, तो ऐसा न हो। जबकि मुसकान ने तो अपनी मर्जी से ही शादी की थी।

इन दिनों ऐसे किस्से आम हैं जब पति ने पत्नी या महिला मित्र अथवा पत्नी ने पति की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी कि उसे किसी और के साथ रहना था। ऐसी खबरें आ रही हैं कि सोनम दूराजा रघुवंशी कांड के बाद, लोग शादी के बाद घूमने जाने से बच रहे हैं। टिकट कैंसल करा रहे हैं। यही नहीं विवाह से पूर्व प्राइवेट जासूसों की मदद से होने वाले साथी का बैक ग्राउंड चौक करा रहे हैं। यहां तक कि कथित विज्ञापन दिए जा रहे हैं। एक ऐसा ही विज्ञापन फेसबुक पर देखा। यह एक अखबार में छपवाया गया था। इसमें लिखा था– अमुक तारीख को अमुक लड़की से सगाई हो रही है। किसी को आपत्ति हो तो बताए। ऐसी बातों से कई बार उन ब्लैकमेलर्स की पौ बारह हो सकती है, जो किसी लड़की को या लड़के को परेशान करने के लिए तरह–तरह की जुगत भिड़ाते हैं। मान लीजिए बेवजह ही कोई आकर कह दे कि हां जी इस शादी से मुझे आपत्ति है, क्योंकि इस लड़के या इस लड़की से मेरे सम्बंध हैं। ऐसे में अगर शादी हो भी जाए, तो शंका का एक बीज हमेशा के लिए बोया जा सकता है।

आपसी रिश्तों में इतना अविश्वास, फिर शादी, विवाह, किसी रिश्ते में

बहुत से विद्वान और विदुषियां कह रही हैं कि ऐसा इसलिए हो रहा है कि महिलाओं को सदियों से दबाकर रखा गया है। अब वे ताकतवर हुई हैं, तो ऐसा कर रही हैं। आंकड़े गिनवाए जा रहे हैं कि महिलाएं तो बस छह प्रतिशत अपराध ही करती हैं। बहुसंख्य अपराध तो पुरुषों द्वारा ही किए जाते हैं।

जाने की जरूरत ही क्या है। जब आपस में विश्वास न रहा तो बचा ही क्या। एक बात बार–बार कही जा रही है कि लड़कियां भला अपराधी कैसे हो सकती हैं। क्यों नहीं हो सकतीं। लड़कियों की वह बेचारी और बुद्धू तथा कुछ न जानने वाली की छवि कब तक ढोती रहेंगी। लड़कियां या लड़के, अपराधी कोई भी हो सकता है।

एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज कहती हैं कि अक्सर पति–पत्नी के रिश्तों में घरेलू हिंसा और क्रूरता को देखा जाता है, लेकिन अब वक्त आ गया है, जब यह भी देखा जाए कि ऐसे रिश्तों में हत्या जैसे जघन्य अपराध कितने हो रहे हैं। दीपिका ने एक अध्ययन में पाया कि 2023 में 306 पतियों को उनकी पत्नियों ने मार दिया। इन घटनाओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई। वर्ष 2025 के इन छह महीनों में यह संख्या सौ से अधिक पहुंच गई है। दीपिका ने शादी के शहीद (मार्टर्स आफ मैरिज) और भारत के बेटे (इंडियाज संस) नामक दो फिल्में भी बनाई हैं।

सत्तर के दशक में हुआ विद्या जैन हत्याकांड भी याद आता है, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था। इसमें विद्या के नानी डाक्टर पति ने अपनी पत्नी की हत्या, प्रेमिका के लिए कराई थी। उस समय एक मशहूर पत्रिका ने इस कांड को धारावाहिक रूप से छापा था। जिस स्त्री के कारण यह हत्या कराई गई थी, वह एक फौजी की पत्नी थी। जब पुलिस इस महिला और उक्त डाक्टर को पकड़कर थाने ले गई, तो वहां एक हीटर जल रहा था। महिला ने गिड़गिड़ाते हुए पुलिस वालों से कहा था कि यहां अग्नि तो है ही। सजा से पहले मेरे सात फेरे करा दीजिए।

अब तक पुरुषों द्वारा ऐसे गम्भीर अपराधों की लम्बी सूची बनती रही है। लेकिन अब पत्नियां भी ऐसा कर रही हैं। बहुत से विद्वान और विदुषियां कह रही हैं कि ऐसा इसलिए हो रहा है कि महिलाओं को सदियों से दबाकर रखा गया है। अब वे ताकतवर हुई हैं, तो ऐसा कर रही हैं। आंकड़े गिनवाए जा रहे हैं कि महिलाएं तो बस छह प्रतिशत अपराध ही करती हैं। बहुसंख्य अपराध तो पुरुषों द्वारा ही किए जाते हैं। इनकी बातें सुनकर वह कहावत याद आती है–जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। आखिर सदियों का बदला राजा या उसी जैसे किसी निरपराध लड़के से क्यों लिया जाए।

विमर्शों की समस्या ही यह है कि अपने चश्मे से बाहर उन्हें कुछ और नहीं दिखता। वे दुनिया से असहमत होने का अधिकार तो मांगते हैं, मगर असहमति का अधिकार किसी को नहीं देते। बदला लेने की भावना का इस तरह से समर्थन आखिर बदले को ही बढ़ाता है। वैसे भी ज्ञान देने वाले तो ज्ञान देकर निकल लेते हैं, मगर भुगतना उन्हें पड़ता है, जो इस तरह के अपराधों में जाने–अनजाने शामिल हो जाते हैं। एक लड़की ने कहा कि हम अक्सर अपने बॉस या अधिकारियों से नाराज होते हैं, तो क्या उनकी जान ले लेते हैं। फिर यह भी कैसी नाराजगी है कि निरपराध को भुगतनी पड़े।

बहुत से लोग कह रहे हैं कि सोनम के बहाने सभी स्त्रियों को अपराधी नहीं कहा जा सकता। सच बात है। ऐसा होता भी नहीं है। लेकिन यदि स्त्री अपराधियों की संख्या कम है, तो मात्र इसलिए उन्हें छोड़ दिया जाए। कोई सजा न मिले। यह कहां का न्याय है। अपराधी तो चाहे स्त्री हो या पुरुष, उसे कानून को सजा देनी ही चाहिए।

नये आपराधिक कानूनों की दिशा–दशा

—के.पी. सिंह—

तीन नये आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 को इस उम्मीद के साथ लागू किए गए थे कि भारत में ब्रिटिश काल से चली आ रही आपराधिक न्याय प्रणाली नागरिकों को न्याय प्रदान करने और सुरक्षा और संरक्षण की गारंटी देने वाली एक जन–केन्द्रित, प्रगतिशील, उद्देश्यपूर्ण एवं सक्षम संस्था के रूप में बदल जाएगी। यद्यपि किसी कानून के लागू होने के बाद एक वर्ष का समय लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने में इसकी सफलता या विफलता के बारे में कुछ भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है, तथापि यह समय कानून के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं और अवरोधों की पहचान करने के लिए पर्याप्त संकेत छोड़ जाता है।

नए कानूनों के लागू होने से पहले, कई कानून विशेषज्ञों ने उनकी उपयोगिता और व्यावहारिकता के बारे में आशंका व्यक्त की थी। यह सराहनीय है कि न्याय प्रणाली की सभी शाखाओं ने धारा–संख्या और उसमें निहित प्रावधानों में किए गए बदलावों को अच्छी तरह से स्वीकार और अंगीकार किया है। पहले दिन से ही उन्हें बिना किसी समस्या के व्यवहार में लाना शुरू कर दिया है। पूरे देश में नए कानूनों के अनुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज की जा रही है और उनकी जांच की जा रही है। ऐसा केवल व्यापक पैमाने पर चलाए गए प्रशिक्षण अभियान के कारण ही सम्भव हो पाया है, जिसकी परिकल्पना और योजना गृह मंत्रालय द्वारा बनाई गई थी, और जिसे सभी हितधारकों द्वारा उत्साहपूर्वक अपनाया गया है। यहां तक कि विधि–विद्यालयों ने भी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में हुए इन बदलावों को बिना किसी कठिनाई के आत्मसात कर लिया है।

महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों को नए कानूनों में सबसे अधिक वरीयता देकर यह संदेश दिया गया है कि सरकार महिलाओं और अवयस्कों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति संवेदनशील है। पुलिस ने इन प्रावधानों का बखूबी प्रयोग किया है। इसके अतिरिक्त, सजा के प्रावधानों का अपराध की संगीनता के अनुसार सरलीकरण करके दण्ड–विधान को सुधारात्मक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, यद्यपि इसके परिणाम कुछ वर्षों बाद ही देखने को मिल सकेंगे।

भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता सबसे महत्वपूर्ण है, और यह भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की धारा 48 के प्रावधानों में विशेष रूप से दृष्टिगोचर होता है। इस धारा में, देश के बाहर बैठकर भारत में अपराध को बढ़ावा देने वाले राष्ट्र विरोधी तत्वों के विरुद्ध मामला दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। ऐसे मामलों में अपराधियों के विरुद्ध मुकदमों की सुनवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 356 के अनुसार आरोपियों की अनुपस्थिति में भी की जा सकती है। हालांकि यह एक कटु सत्य है कि इन धाराओं का आतंकवादियों और गैंगस्टरों के खिलाफ नगण्य प्रयोग किया गया है, फलस्वरूप विदेशों में बैठकर भारत में फिरौती के लिए कॉल करने और आतंकवाद को भड़काने जैसी गतिविधियां रुक नहीं पाई हैं।

वहीं दूसरी ओर, देश की सम्प्रभुता, एकता और अखण्डता अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से नए कानूनों में जोड़ी गई धारा 152 भारतीय न्याय संहिता के दुरुपयोग की शिकायतें निरंतर अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। ऐसे आरोप लग रहे हैं कि इस धारा का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी पर कुठाराघात करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे अनेक मामलों में उच्चतम न्यायालय सुनवाई कर रहा है।

मुकदमों के अनुसंधान को पारदर्शी और उच्चस्तरीय बनाने के उद्देश्य से प्रक्रिया का डिजिटलीकरण करने के प्रावधान नए कानूनों की विशेषता है। फॉरेंसिक जांच का दायरा अनुसंधान प्रक्रिया में बढ़ाकर जांच को निष्पक्ष और प्रभावी बनाया गया है। परन्तु यह चिन्ता का विषय है कि अब तक डिजिटलीकरण और फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं को स्थापित करने की गतिविधियां उतनी रफ्तार से नहीं चल पाई हैं जितनी चलनी चाहिए थी। राज्य सरकारों के सीमित वित्तीय संसाधन इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं। हालांकि, केन्द्र सरकार ने राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों की रोकथाम', 'साइबर न्यायवैधिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना' और 'पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता' देना सम्मिलित है। संसाधन वृद्धि और क्षमता निर्माण के लिए इन योजनाओं का उपयोग करना राज्यों पर निर्भर करता है। पारम्परिक लाठीधारी सिपाहियों को एक तकनीक–प्रेमी पुलिस बल के रूप में बदलने के लिए पर्याप्त संख्या में साइबर–साक्षर और डिजिटल रूप से प्रशिक्षित जन–शक्ति की भर्ती करना, वित्तीय संकट और राजनीतिक आकाओं की अनिच्छा के कारण एक बड़ी चुनौती बन कर रह गई है। अभी तक, पुलिस विभाग कम शिक्षित ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का मुख्य स्रोत है और भर्ती नीति में किसी भी बदलाव का जन–प्रतिनिधियों द्वारा कड़ा विरोध होने वाला है। न्याय प्रणाली से जुड़ी अन्य संस्थाओं का भी कमोबेश यही हाल है।

आपराधिक न्याय प्रणाली के घटकों के कामकाज के आपसी समन्वय के लिए आवश्यक नए नियमों और प्रोटोकॉल तथा सॉफ्टवेयर को विकसित करना नए आपराधिक कानूनों को पूरी तरह से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक है। यही प्रक्रिया अभी भी प्रारम्भिक अवस्था में है। यह एक बहुत बड़ा कार्य है जिसे गृह विभाग के कामकाज के नियमों, उच्च न्यायालय के नियमों और आदेशों, पुलिस नियमों, जेल मैनुअल और अभियोजन एजेंसी के कर्तव्यों के चार्टर की समीक्षा करके उसमें बदलाव करने पर ही पूरा किया जा सकता है। एकीकृत कमान के अन्तर्गत इन नियमों को अन्तिम रूप देने के लिए सभी हितधारकों के मिल बैठकर विचार करने की आवश्यकता है। आपराधिक न्याय प्रणाली की अलग–अलग शाखाओं द्वारा पुराने नियमों को नए सांचे में ढालने के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे क्योंकि सभी शाखाओं के समन्वय से ही सक्षम नियम और प्रोटोकॉल निर्धारित किए जा सकते हैं।

छेड़खानी का झूठा आरोप लगाकर मांगे ढाई लाख, तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। महराजगंज तराई थाना क्षेत्र में एक मजदूर को झूठे आरोप में फंसाकर फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कुशीनगर के पडरौना थाना क्षेत्र के जंगल बकुलहा निवासी राजन राजभर पिछले एक माह से बलरामपुर के पूरेबक्श धोकरा गांव में राजगीरी का काम कर रहा था। 2 जुलाई को दोपहर करीब 4 बजे वह शौच के लिए गांव के बाहर गया था। उसी समय वहां से एक लड़की गुजर रही थी। इसी दौरान गांव के मशीउल्ला, तौसीब, सुहेल, अनस और रिजवान वहां पहुंच गए। उन्होंने राजन पर छेड़खानी का झूठा आरोप लगाकर उसे पीटा। आरोपियों ने उसे नाले के किनारे ले जाकर बंधक बना लिया। उससे ढाई लाख रुपए की फिरौती मांगी।

डर के मारे राजन ने अपने भाई अनूप का मोबाइल नंबर दे दिया। मशीउल्ला ने सुहेल के फोन से अनूप को कॉल किया। मुंबई में रहने वाले अनूप ने तुरंत 40 हजार रुपए ऑनलाइन भेज दिए। आरोपियों ने बाकी दो लाख रुपए की मांग करते हुए राजन को न छोड़ने की धमकी दी। राजन किसी तरह आरोपियों से बचकर थाने पहुंचा। उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शिवनगर प्राइमरी स्कूल के पास से मशीउल्ला, सुहेल और अनस को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सोचा कि राजन एक बाहरी व्यक्ति है और उसे झूठे मामले में फंसाकर पैसे ऐंठना आसान रहेगा। उन्होंने बताया कि घटना की योजना पहले से बना रखी थी। मौका देखकर उसे अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया गया है।

विधायक को ज्ञापन सौंप शिक्षकों ने विरोध जताया

संवाददाता—श्रावस्ती। कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को मर्ज किए जाने को लेकर शिक्षकों ने विरोध जताया। इस दौरान शिक्षकों ने विधायक को ज्ञापन सौंपा। साथ ही सरकार से आदेश वापस लेने की मांग की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा श्रावस्ती के जिलाध्यक्ष विनय पांडेय की अगुवाई में शुक्रवार को शिक्षकों ने जूनियर हाईस्कूल भिनगा में कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों के मर्ज किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन की ओर से सरकार की ओर से पेयरिंग के नाम पर विद्यालयों को बन्द किया जा रहा है। प्रदेश में 50 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय व 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया गया है। इसके पूर्व भी एक ही परिसर में स्थित लगभग 20 हजार विद्यालयों का संविलियन करके प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का पद समाप्त कर दिया गया। लोकतंत्र में इस प्रकार विद्यालय बन्द करके नौनिहालों की शिक्षा से खिलवाड़, हजारों प्रधानाध्यापकों के पद व रसोईयों की सेवा समाप्ति जैसे कठोर निर्णय की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस मौके पर जिलामंत्री सत्य प्रकाश वर्मा, वीरेंद्र प्रताप सिंह, सुनील दत्त शुक्ला, अंकित श्रीवास्तव, गंगाराम यादव, हरीश कुमार, सीमा सिंह, बबिता पटेल, पारुल सिंह आदि मौजूद रहे।

मोहर्रम पर सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

संवाददाता—कुशीनगर। मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने विशेष इंतजाम किए हैं। उन्होंने कई स्तरों पर मजिस्ट्रेट की तैनाती की है। अपर जिला मजिस्ट्रेट वैभव मिश्रा और प्रेम कुमार राय को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट बनाया गया है। कसया, हाटा, तमकुहीराज, पडरौना, खड्डा और कप्तानगंज के उप जिलाधिकारियों को जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 38 जनपद स्तरीय अधिकारियों को सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। सभी मजिस्ट्रेटों को अपने क्षेत्र में भ्रमण कर कानून व्यवस्था की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को सूचित करना होगा। कलेक्ट्रेट में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसका संपर्क नंबर 05564–240590 है। नीरज कुमार गौड़ और आलोक कुमार प्रियदर्शी को कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में मोहर्रम, श्रावण मास और कावड़ यात्रा को लेकर एक बैठक हुई। इसमें डीआईजी शिवासिम्पी चिनप्पा, जिलाधिकारी और एसपी संतोष कुमार मिश्रा मौजूद थे। कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए मुख्य मार्गों पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

नहर में डूबा मिला किशोर का शव

संवाददाता—कुशीनगर। पडरौना नगर में नहाते समय डूबे 14 वर्षीय सत्यम वर्मा का शव 6 दिन बाद सुखपुरा रेगुलेटर से बरामद हुआ है। सत्यम महिला थाने के पास काशीराम आवास का रहने वाला था। रविवार को सत्यम अपने बड़े भाई आदर्श वर्मा के साथ परसौनी कला स्थित बड़ी गंडक नहर रेगुलेटर पर नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया। बड़े भाई आदर्श ने उसे बचाने की कोशिश की। आदर्श भी डूबने लगा। मौके पर मौजूद एक ट्रक ड्राइवर ने आदर्श को बचा लिया। लेकिन सत्यम का कुछ पता नहीं चल सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम ने सघन तलाशी अभियान चलाया। 5 दिनों तक कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार को सुखपुरा रेगुलेटर के पास शव मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। शव की पहचान सत्यम वर्मा के रूप में हुई। पडरौना कोतवाली थाना प्रभारी रवि राय के अनुसार, शव को नहर से निकालकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

पिकअप की टक्कर से महिला की मौत

संवाददाता—कुशीनगर। सलेमगढ़ बाजार बाईपास टोल प्लाजा मार्ग पर एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गुरुवार की देर रात सचिवालय के समीप एक अनियंत्रित पिकअप ने घर के दरवाजे पर खड़ी 35 वर्षीय दुर्गावती देवी को टक्कर मार दी। चालक मौके से फरार हो गया। घायल दुर्गावती को परिजन पहले सीएचसी तमकुहीराज ले गए। वहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान रात में उनकी मौत हो गई। परिजन शव को घर ले आए। तरयासुजान पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतका मूल रूप से तमकुहीराज के बसडिला गुनाकर की रहने वाली थीं। उनके परिवार ने सलेमगढ़ में जमीन खरीदकर घर बना रखा है। उनके पति बनारसी यादव गुजरात में दिहाड़ी मजदूर का काम करते हैं और घटना के समय वहीं थे। इस हादसे में दुर्गावती के तीन बच्चे अनाथ हो गए हैं। नौ वर्षीय राजकुमार और पांच वर्षीय जुड़वां बच्चे लव और कुश की देखभाल की जिम्मेदारी अब उनके दादा हरिहर यादव ने ली है। परिवार में दुर्गावती अकेली महिला थीं। इस घटना से पूरा परिवार टूट गया है।

दो लाख के लेनदेन को लेकर मारपीट

संवाददाता—देवरिया। नागरी प्रचारिणी के पदाधिकारी और भाजपा नेता के बीच विवाद ने तूल पकड़ लिया है। बीआरडीपीजी कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ. राधेश्याम शुक्ला तथा नागरी प्रचारिणी के पदाधिकारी डॉ. सौरभ श्रीवास्तव के बीच मारपीट की नौबत आ गई। घटना न्यूकालोनी में एक कार्यक्रम के बाद हुई। दोनों वहां से लौट रहे थे। रास्ते में विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ने एक–दूसरे को धमकियां दीं। डॉ. सौरभ श्रीवास्तव का कहना है कि डॉ. शुक्ला उन्हें नागरी प्रचारिणी से बाहर करने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने लेनदेन के किसी मामले से इनकार किया है। दूसरी ओर, डॉ. राधेश्याम शुक्ला ने आरोप लगाया कि उन्होंने डॉ. सौरभ को दो लाख रुपये उधार दिए थे। पैसे मांगने पर डॉ. सौरभ ने उनके साथ मारपीट की। उनके गले से सोने की चेन और जेब से 1800 रुपये भी छीन लिए। व्यापारियों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने बीच–बचाव किया। दोनों पक्षों ने सदर कोतवाली में एक–दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। कोतवाल डीके सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीएसए ने बीईओ से मांगी रिपोर्ट

संवाददाता—देवरिया। जिले में दिशा की बैठक के दौरान बरहज विधायक दीपक मिश्रा ने बीएसए पर उदासीनता का आरोप लगाया। विधायक ने कुछ शिक्षिकाओं का 8 माह से वेतन न मिलने का मुद्दा उठाया था। बीएसए शालिनी श्रीवास्तव ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने जिले के सभी बीईओ को पत्र जारी किया है। इसमें उनसे क्षेत्र के वेतन बाधित शिक्षकों की सूची और वेतन रुकने के कारणों की रिपोर्ट मांगी गई है।

पुलिस की कार्यप्रणाली व कानून व्यवस्था से रूबरू हुए विद्यार्थी

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस के स्पेल कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कानून व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही पुलिस कार्य प्रणाली को जाना। इस दौरान कराई गई निबंध प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र दिया गया। शुक्रवार को भिनगा सीओ सतीश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में भिनगा के अलक्षेन्द्र इंटर कालेज में स्पेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था व आपातकालीन सेवाओं से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। जिससे वह जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकें। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सीओ ने कहा कि यह कार्यक्रम पुलिस की छवि को बेहतर बनाने की एक पहल है। इससे युवाओं और पुलिस के बीच बेहतर समझ विकसित होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को न केवल पुलिसिंग की व्यावहारिक जानकारी देना है, बल्कि उन्हें समाज में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित करना भी है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ज्योति प्रकाश पांडेय, भिनगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत, दो घायल

संवाददाता—महराजगंज। जिले के बृजमनगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 11 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हड़ियाकोट गांव के पास एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। चालक गणेश चौरसिया (26) पुत्र रामप्रीत निवासी शीशवानिया विशुन थाना पुरंदरपुर अपनी मोटरसाइकिल से अपनी पत्नी खुशबू (25), पड़ोसी महिला रीना (35) तथा एक बालिका पायल (10) को लेकर हड़ियाकोट से फरेंदा की ओर लेहड़ा मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे में खुशबू और रीना की मौत हो गई। गणेश और पायल घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी बृजमनगंज में भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतकों और घायलों के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गणेश चौरसिया शीशवानिया विशुन, थाना पुरंदरपुर, जनपद महाराजगंज का रहने वाला है। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने जानकारी देते हुए बताया कि बृजमनगंज थाना क्षेत्र के हड़ियाकोट गांव में एक ट्रक और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दो महिलाओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि एक बच्ची और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी बृजमनगंज भेजा गया है। हादसे में शामिल ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रामनगरी में राजस्थान भीलवाड़ा के विधायक का मनाया गया जन्मोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के भीलवाड़ा से विधायक उदयलाल भड़ाना का 48वां जन्म महोत्सव अत्यंत भव्य एवं दिव्य रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भीलवाड़ा सहित राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे भक्तों की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था। अनुमान है कि 5100 से अधिक श्रद्धालु जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे हैं। उनके भोजन, प्रसाद, आवास व दर्शन की व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे दिन भक्तमाल आश्रम में भजन–कीर्तन, यज्ञ, पूजन और प्रवचन का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं ने हनुमानगढ़ी, कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, और सरयू घाट पर दर्शन पूजन कर अपने नेता के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की प्रार्थना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने न केवल भाजपा और नेता उदयलाल भड़ाना के लिए, बल्कि देश और प्रदेश की सुख–समृद्धि के लिए भी प्रभु श्रीराम से कामना की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संत, सामाजिक कार्यकर्ता व कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। जन्मोत्सव के इस आयोजन ने रामनगरी में भक्तिभाव का वातावरण और अधिक प्रगाढ़ कर दिया।

डीएम ने मनोरमा नदी का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने का दिया निर्देश

संवाददाता—गोण्डा। मनोरमा नदी के पुनर्जीवन का अभियान शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिला प्रशासन ने इस कार्य को प्राथमिकता दी है। डीएम नेहा शर्मा ने मनोरमा सरोवर से निकलने वाली नदी का निरीक्षण किया।

पिछले कुछ सालों में मनोरमा नदी का अस्तित्व संकट में आ गया था। गाद जमा होने, अतिक्रमण और जल स्रोतों के सूखने से नदी का प्रवाह रुक गया था। जिला प्रशासन अब जनभागीदारी से नदी को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहा है। जिलाधिकारी ने नदी से अतिक्रमण हटाने, सफाई और गाद निकालने के निर्देश दिए हैं। साथ ही वृक्षारोपण की योजना भी बनाई गई है। नदी की दोनों तरफ पीपल, नीम, पाकड़ जैसे देशी प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इससे नदी तट पर हरियाली बढ़ेगी और जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा।

जिलाधिकारी ने पोकलैंड और जेसीबी मशीनों से नदी की सफाई का कार्य तुरंत शुरू करने के आदेश दिए हैं। गोंडा–बलरामपुर रोड से लेकर ताड़ी लाल गांव तक नदी के प्रवाह को पूरी तरह साफ किया जाएगा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के अनुसार, मनोरमा नदी केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत है। इसका पुनर्जीवन जनपद के लिए गौरव की बात होगी।

इस पूरी प्रक्रिया में विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्य किया जा रहा है। डीसी मनरेगा को श्रमिकों की व्यवस्था और योजनाबद्ध कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि वन विभाग को वृक्षारोपण की कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। सिंचाई विभाग को नदी की दिशा और संरचना का तकनीकी आंकलन करने का कार्य सौंपा गया है। डीएम ने इस पहल को केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि जन आंदोलन के रूप में विकसित करने की बात कही। ग्राम पंचायतों और स्थानीय समाजसेवियों को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं ताकि लोग इस पुनर्जीवन कार्य को अपने स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव से जोड़ें।

मनोरमा नदी उत्तर प्रदेश की एक 115 किलोमीटर लंबी पौराणिक नदी है, जो गोण्डा और बस्ती जिलों से होकर बहती है। इसका उद्गम गोण्डा जिले के तिर्रे ताल से होता है और यह बस्ती के परशुरामपुर क्षेत्र से गुजरते हुए महुली के पास कुआनो नदी में मिल जाती है। इस नदी का नाम महर्षि उद्दालक की पुत्री मनोरमा के नाम पर पड़ा और इसका उल्लेख प्राचीन पुराणों में भी मिलता है। जिससे इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व स्थापित होता है मखौड़ा धाम के निकट बहने वाली इस नदी को पवित्र माना जाता है और इसे अनेक धार्मिक अनुष्ठानों से भी जोड़ा जाता है।

गोंडा–बुढ़वल रेल लाइन पर स्पीड ट्रायल,130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली ट्रेन

संवाददाता—गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए गोंडा–बुढ़वल खंड पर तीसरी रेल लाइन का निर्माण कराया है। इस 61.72 किलोमीटर लंबी रेल लाइन पर रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना और पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अभय कुमार गुप्ता ने स्पीड ट्रायल किया।

निरीक्षण की शुरुआत में रेल संरक्षा आयुक्त ने अधिकारियों के साथ मोटर ट्राली से सरयू–करनैलगंज रेल खंड का दौरा किया। उन्होंने स्टेशन यार्ड के पॉइंट और क्रॉसिंग का निरीक्षण किया। साथ ही समपार संख्या 287सी, 286, 284 स्पेशल, 283सी और 281 की जांच की। मेजर ब्रिज संख्या 383 और एलएचएस संख्या–385 का भी निरीक्षण किया।

करनैलगंज रेलवे स्टेशन पर आयुक्त ने सुरक्षा से जुड़े कई पहलुओं की जांच की। इनमें सेफ्टी रिकॉर्ड, यार्ड प्लान, स्टेशन वर्किंग रूल, प्लेटफॉर्म क्लियरेंस शामिल थे। साथ ही सिग्नलिंग, बैलास्ट, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, बैटरी रूम और रिले रूम का भी निरीक्षण किया।

रेलकर्मियों से सुरक्षा संबंधी सवाल पूछकर उनकी कार्यकुशलता की जांच की। निरीक्षण के बाद करनैलगंज–घाघरा घाट स्टेशनों के बीच स्पेशल ट्रेन 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाई गई। यह ट्रायल नई तीसरी विद्युत लाइन की सुरक्षा और क्षमता की जांच के लिए किया गया।

कार्यालय जिला सहकारी फेडरेशन लि0, बस्ती

पत्रांकः 21 /स्था०/2025–26 दिनांक–05–07–25

सूचना

संस्था में एक विक्रेता की अस्थाई रूप से कमीशन आधार पर आवश्यकता है जिसके लिए निम्न योग्यता होना आवश्यक है। इच्छुक उम्मीदवार संस्था कार्यालय पर आवश्यक अभिलेख आवेदक पत्र के साथ संलग्न कर प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक दिनांकः— 05–07–2025 से दिनांक 12–07–2025 तक कार्यालय पर बन्द लिफाफे में जमा कर सकते है।

1. अभ्यर्थी की आयु 21 वर्ष से कम तथा 40 वर्ष से अधिक नही होनी चाहिए एवं सेवानिवृत्त की आयुक्त 60 वर्ष जन्मतिथि से मानी जायेगी।
2. शैक्षिक योग्यता कम से कम स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
3. अभ्यर्थी जनपद वस्ती का निवासी होना चाहिए।
4. अभ्यर्थी को कभी भी सक्षम स्तर से नियुक्ति होने तथा पी०डी०एस० कार्य न रह जाने एवं कार्य में लापरवाही गड़बड़ी/वित्तीय अनियमितता की सम्भावना आदि होने पर संचालक मण्डल द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के विक्रेता के पद से हटाया जा सकता है।
5. अभ्यर्थी को संस्था शर्तो के अधीन कार्य करना होगा। संस्था शर्तो की जानकारी कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।
6. दिनांक 12–07–2025 के पश्चात कोई आवेदन स्वीकार नही किये जायेगें।

सचिव
जिला सहकारी फेडरेशन लि०, बस्ती

अध्यक्ष
जिला सहकारी फेडरेशन लि०, बस्ती

बकाया भुगतान को लेकर शिक्षामित्रों ने जताया विरोध

संवाददाता—गोण्डा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले हजारों शिक्षकों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष अवधेश मणि मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षकों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा।

शिक्षामित्रों का कहना है कि 2021 के पंचायत चुनाव में उनसे ड्यूटी कराई गई। लगभग 20 लाख रुपए का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। शिक्षामित्रों ने चेतावनी दी है कि जब तक पुराना बकाया नहीं मिलेगा, वे बीएलओ ड्यूटी नहीं करेंगे। शिक्षामित्रों की मांग है कि बकाया भुगतान के बाद ही बीएलओ ड्यूटी लगाई जाए। उनका कहना है कि वे सप्ताह में तीन दिन बीएलओ ड्यूटी और तीन दिन शैक्षणिक कार्य करेंगे। उनका मानना है कि सप्ताह के सातों दिन बीएलओ ड्यूटी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी।

जिला अध्यक्ष अवधेश मणि मिश्रा ने बताया कि वे कई बार बकाया भुगतान के लिए संपर्क कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्रों के सामने कई दिक्कतें हैं और अब उन्हें नई जिम्मेदारी दी जा रही है। उन्होंने मांग की है कि पहले पुराना बकाया भुगतान किया जाए, तभी वे नई ड्यूटी में सहयोग करेंगे।

कुशीनगर मे मिले कोबरा 2 बच्चे और 19 अंडे, 5 घंटे के रेस्क्यू के बाद सर्पमित्र ने निकाला

संवाददाता—कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के सौरहा बुजुर्ग गांव स्थित जौराही टोले में एक चौका देने वाला मामला सामने आया है। जिसमें एक घर में कोबरा के दो बच्चे और 19 अंडे पाए गए है। बता दें कि यह मामला तराबुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति के घर सामने का है।

तराबुद्दीन ने बताया कि सुबह जब वे अपने कटरैन घर में कुछ काम के लिए गए, तो अचानक उनकी नजर एक कोबरा के बच्चे पर पड़ी। उन्होंने बताया कि इस घर में पहले भी सांपों का आवागमन देखा गया है, जिससे वे पहले से ही सतर्क थे। घटना की सूचना उन्होंने तत्काल कुशीनगर के सर्पमित्र शत्रुघन यादव को दी।

सूचना मिलते ही शत्रुघन यादव मौके पर पहुंचे और करीब 5 घंटे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस दौरान उन्होंने दो कोबरा के बच्चों के साथ 19 अंडों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। हालांकि, मौके पर मौजूद एक बड़े कोबरा सांप को पकड़ने में वे सफल नहीं हो सके, जिससे गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है।

सर्पमित्र शत्रुघन यादव ने गांववासियों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर किसी को सांप काट ले, तो घबराने की बजाय झाड़–फूंक में समय न गंवाएं। उन्होंने बताया कि पीड़ित व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक सहायता देते हुए अस्पताल पहुंचाना चाहिए। साथ ही, काटे गए स्थान को रस्सी से हल्के से बांधकर मरीज को शांत रखें और जल्दी से चिकित्सीय उपचार कराएं।

खजनी में महिला का सिर कूचकर फेंका, दुष्कर्म की आशंका

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की भोर 40 वर्षीय एक महिला गंभीर हालत में मिली। उसका सिर ईंट से कूचा गया था। उसके साथ दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है। गंभीर हालत में महिला को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, खजनी थाना मुख्यालय से मात्र 100 मीटर दूर, बीआरसी खजनी के पीछे एक 40 वर्षीय महिला शुक्रवार भोर में गंभीर हालत में मिली। उसके सिर और चेहरे पर काफी चोट है। अज्ञात हमलावरों ने ईंट से महिला को बेरहमी से कूचा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वर्तमान में वह मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही है।

घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह नौ बजे स्कूल स्टाफ ने बीआरसी परिसर के पास कराहने की आवाज सुनी। पहले इसे जानवर की आवाज समझा गया, लेकिन कराहट बढ़ने पर जांच की गई तो खून से लथपथ महिला दर्द से तड़पती मिली। उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। स्कूल स्टाफ ने तुरंत खजनी पुलिस को सूचना दी।

एसओ खजनी अनूप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को तत्काल मेडिकल कॉलेज भिजवाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी साउथ जितेंद्र कुमार और सीओ खजनी उदय प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि महिला के साथ दुष्कर्म के बाद इस क्रूर वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि, महिला की हालत गंभीर होने के कारण उसकी शिनाख्त और बयान दर्ज नहीं हो सका है। पुलिस बीआरसी परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और हर पहलू से मामले की तहकीकात में जुटी है।

खाद्य विभाग की छापेमारी, दूध, काजू समेत 5 खाद्य पदार्थों के लिए नमूने, भेजा लैब

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। आमजन को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार शाम खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने विभिन्न बाजारों में अचानक छापेमारी की। इस दौरान विभाग ने कुल 5 खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। यह कार्रवाई आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ और जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के आदेश पर की गई। सहायक आयुक्त खाद्य, आर.एल. यादव के निर्देशन में टीम ने नौगढ़ बाजार, ककरहवा बाजार, बढ़नी बाजार व बस स्टॉप चौराहा (बढ़नी) में छापे मारे। जिन वस्तुओं के दूध, काजू, पनीर, किशमिश, पोहा के नमूने लिए गए। इन सभी नमूनों को विश्लेषण हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टीम ने खाद्य कारोबारियों को निर्देशित किया कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करें और मिलावटी या खुले मसालों, नकली खाद्य सामग्री की बिक्री से परहेज करें। उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

इस दौरान कार्रवाई में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जय प्रकाश, हीरा लाल, रंजन कुमार और नीरज कुमार चौधरी शामिल रहे।

छह माह का वेतन–पेंशन नहीं, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोरखपुर। बकाया वेतन, पेंशन की मांग को लेकर जल निगम कर्मियों ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश जल निगम, संघर्ष समिति गोरखपुर के बैनर तले प्रदर्शन कर जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश की अनुपस्थिति में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसके पूर्व अपने मुंह पर काला मास्क और हाथों पर काली पट्टी बांध कर कर्मियों ने मौन धरना देकर अपने विरोध की अभिव्यक्ति की। रामगढ़झील स्थित परियोजना प्रबंधक के कार्यालय में 11 बजे से यह धरना अपराह्न तीन बजे तक चला। मुख्यमंत्री को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन में सेवानिवृत पेंशनरों एवं अधिकारियों–कर्मचारियों ने माह जनवरी से अब तक बकाया 6 माह का वेतन और पेंशन भुगतान तत्काल करने की मांग की।

भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके मृतक आश्रित परिवारों के सदस्यों की वर्षो से अवैधानिक रूप से अवरुद्ध अनुकंपा नियुक्ति तत्काल प्रभाव प्रारंभ करने और उत्तर प्रदेश जल निगम के कर्मचारियों पर भी राजकीय विभाग के कर्मचारियों की तरह सप्तम वेतनमान लागू किए जाने की मांग की। इसके अलावा यह भी मांग किया कि मंहगाई भत्ता 213 फीसदी से बढ़ा कर 235 फीसदी किया जाए। प्रदर्शन में 70 से अधिक पेंशन, अधिकारी–कर्मचारी शामिल हुए। धरना प्रदर्शन में जल निगम नगरीय–ग्रामीण के साथ विभिन्न खण्डों से विकास दुबे, धर्म प्रसाद महेश्वरी, सुजीत चौरसिया, पृथ्वी पाल, केशव शर्मा, चंद्र प्रकाश शर्मा, रामनाथ सिंह, अमित, बलदेव प्रसाद, योगेश पाण्डेय, अमित कोहली, प्रमोद त्रिपाठी, अविनाश शुक्ला, विपिन बिहारी लाल श्रीवास्तव, कृष्ण शेखर श्रीवास्तव, पटेश्वरी शुक्ला, श्रीराम पाठक, केशव प्रसाद शर्मा, रामजीत राम, दर्शन प्रसाद, योगेंद्र प्रसाद, अनिल कुमार पटेल, सुनील कुमार पटवा, ध्रुव नारायण द्विवेदी, अनुराग कुमार, संदीप कुमार सिंह, नीता चौरसिया, हरेंद्र सिंह समेत काफी संख्या में अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे जल निगमकर्मी आंदोलित जलनिगम कर्मियों के हाथों में थमी तख्तियों पर लिखे नारों ने महानगरवासियों का ध्यान भी आकृष्ट किया।

अपना दल एस के कई पदाधिकारी बसपा में हुए शामिल

संवाददाता–अयोध्या। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की नीतियों से नाराज होकर प्रयागराज के आईटी सेल के जिला उपाध्यक्ष समेत छह पदाधिकारी अयोध्या में बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए हैं। अयोध्या पहुंचे सभी पदाधिकारियों ने बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की नीतियों का समर्थन कर बहुजन समाज पार्टी ज्वाइन कर लिया। प्रयागराज अपना दल आईटी सेल के जिला उपाध्यक्ष राजेश पाल ने बताया कि कौशांबी की घटना को लेकर पार्टी स्टैंड नहीं ले रही थी। मुद्दे को दबाने के लिए पार्टी दबाव डाल रही थी। इसके कारण उन्हें अपना दल एस से नाता तोड़ना पड़ा। वहीं, बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि जब से भाजपा सरकार आई है तब से बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल रहा है। महंगाई बढ़ती जा रही है। प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। जगह–जगह हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं। चाहे सपा हो चाहे कांग्रेस हो चाहे बीजेपी हो सभी के शासनकाल में उत्पीड़न हुआ है। 2027 की चुनाव में एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी बहुमत में आएगी और मायावती प्रदेश की मुख्यमंत्री बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा, कांग्रेस और सपा को छोड़कर लोग बसपा की नीतियों में अपनी आस्था व्यक्त कर रहे हैं। इसी कड़ी में सुश्री मायावती को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाने के लिए बसपा जी तोड़ कोशिश कर रही है।

गुरुकुल टाउनशिप बसाने को क्रय की गई जमीनों पर कब्जे की तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना नया गोरखपुर में गोरखपुर विकास प्राधिकरण की प्रस्तावित गुरुकुल टाउनशिप फेज–प्रथम आवासीय योजना पर अमल की कवायद शुरू हो गई है। इस सुव्यवस्थित टाउनशिप के तलपट मानचित्र (ले–आउट प्लान) को बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद प्राधिकरण समझौते के आधार पर काश्तकारों से खरीदी गई करीब 200 एकड़ से अधिक जमीन पर कब्जा लेगा। जिला प्रशासन से सीमांकन के लिए लेखपाल और कानूनगो की टीम की मांग के साथ प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने टीम भी गठित कर दी है। प्राधिकरण की ओर से गठित आठ सदस्यीय टीम में सहायक अभियंता संजीव तिवारी, अवर अभियंता दीपक गुप्ता, धर्मेंद्र गौड़, कार्यरत सेवानिवृत्त कानूनगो सुरेश पटेल, लेखपाल गणपति, राम भरोसे गुप्ता, सर्वेयर ओपी तिवारी और पीएमयू टीम से आदित्य नारायण शामिल हैं।

प्राधिकरण के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया कि टीम सदर तहसील के राजस्व निरीक्षक और लेखपाल से संपर्क कर क्रय की गई भूमि का चिह्नांकन कराएगी। मौके पर कहीं अवैध

अतिक्रमण है तो उसे हटाकर प्राधिकरण के स्वामित्व का बोर्ड स्थापित करेगा। प्राधिकरण, मानीराम और रहमत नगर में 126.35 हेक्टेयर (312.23 एकड़) में गुरुकुल सिटी फेज–प्रथम लांच करेगा। अब तक यहां 44.135 हेक्टेयर (109.05 एकड) भूमि समझौते के आधार पर खरीदी जा चुकी है। शेष 82 हेक्टेयर भूमि के लिए रजिस्ट्री की प्रक्रिया जल्द पूरा कराने पर जोर है। गुरुकुल सिटी टाउनशिप में मिलेगी ये सुविधाएं गुरुकुल टाउनशिप फेज–प्रथम योजना में तलपट मानचित्र में विभिन्न श्रेणियों के लिए भूमि आरक्षित की गई है। परियोजना में ग्रुप हाउसिंग, प्लाटेड डेवलपमेंट, सर्विस अपार्टमेंट, ईडब्ल्यूएस और एलआइजी आवास, होटल, शापिंग मॉल, रिटेल कामर्शियल, शैक्षणिक संस्थान, प्रशिक्षण केंद्र, सिटी सिविक सेंटर, जलाशय, हरित क्षेत्र और सड़कों के लिए भूमि चिह्नित की गई है। गोरखपुर का भविष्य, संतुलित और हरित शहर गोरखपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन को उम्मीद है कि गुरुकुल सिटी न सिर्फ आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने मुताबिक नया गोरखपुर परियोजना के तहत समझौते और अनिवार्य अधिग्रहण से प्राधिकरण 6000 एकड़ भूमि जुटाई जाएगी। अब तक तीन राजस्व ग्राम में कुल 85.250 हेक्टयर यानी 210.076 एकड़ भूमि समझौते के आधार पर अर्जित की गई है। ग्राम मानीराम और रहमत नगर में कुल 44.135 हेक्टेयर (109.05 एकड) भूमि और ग्राम बालापार में कुल 41.115 हेक्टेयर (101.593 एकड़) भूमि अर्जित की गई है। अभी यह प्रक्रिया जारी है। बोले जीडीए उपाध्यक्ष नया गोरखपुर योजना के लिए समझौते के आधार पर भूमि खरीदने की प्रक्रिया जारी है। अब तक खरीदी गई भूमि पर कब्जा लेकर सुरक्षित करने के लिए टीम गठित की गई है। जिला प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है। भूमि का चिह्नांकन कराकर वहां प्राधिकरण सम्पत्ति का बोर्ड लगाया जाएगा।

मोहर्रम पर हल्लौर में निकला मातमी जुलूस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। हल्लौर में शुक्रवार को आठवीं मोहर्रम पर दरगाह हजरत अब्बास से मातमी जुलूस निकाला गया। अंजुमन गुलदस्ता मातम और अंजुमन फरोग मातम के बैनर तले जुलूस का आयोजन किया गया। जुलूस कस्बे में गश्त करते हुए शाम 4 बजे डुमरियागंज बस्ती मार्ग पर पहुंचा। मातमदार नंगे पैर शोकाकुल माहौल में मातम करते रहे। चारों तरफ या हुसैन–या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। जुलूस से पहले दरगाह हजरत अब्बास में मजलिस का आयोजन हुआ। जाकिरे अहलेबैत ने बताया कि इमाम हुसैन ने हजरत अब्बास को अपनी छोटी फौज का कमांडर बनाया था। हजरत अब्बास की बहादुरी के कारण इमाम ने उन्हें कर्बला के मैदान में पानी लाने का जिम्मा सौंपा। हजरत अब्बास ने फरात नदी से यजीदी फौज को भगाकर मश्क में पानी भरा। वापसी में यजीदी फौज ने छिपकर हमला कर उनके दोनों हाथ काट दिए। अब्बास ने मश्क को दांतों से पकड़ लिया। इसी दौरान पीछे से गुर्ज से उनके सिर पर वार किया गया। मश्क–ए–सकीना जमीन पर गिर गई और दुश्मनों ने हजरत अब्बास को शहीद कर दिया।

सीएमओ कार्यालय में तैनात कनिष्ठ सहायक को हटाने की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में तैनात कनिष्ठ सहायक राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पटल सहायक श्रीवास्तव पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

बघौली सीएचसी अधीक्षक डॉ. श्वेतांक सिंह और खलीलाबाद के अधीक्षक डॉ. वरुणेश दुबे सहित अन्य कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि राकेश कुमार श्रीवास्तव कार्यालय में नशे की हालत में रहते हैं। वे राजकीय पत्रावलियां शिकायतकर्ताओं को उपलब्ध कराते हैं। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ शिकायती पोर्टल पर शिकायतें दर्ज कराते हैं।

कर्मचारियों का आरोप है कि राकेश कुमार श्रीवास्तव बाहरी व्यक्तियों से अपने पटल संबंधी कार्य करवाते हैं और वसूली भी करवाते हैं। पूर्व जिलाधिकारी और पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इनके खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा था। इनका दो बार स्थानांतरण भी किया जा चुका है।

विरोध कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि राकेश कुमार श्रीवास्तव कर्मचारियों से गाली–गलौज करते हैं। वे अपने कार्यक्रमों में रुचि नहीं लेते। जनप्रतिनिधियों के साथ भी अमर्यादित व्यवहार करते हैं। उन्होंने अपने माता–पिता के माध्यम से भी कर्मचारियों के खिलाफ फर्जी शिकायतें दर्ज कराई हैं। इस कारण विभाग के अधिकारी और कर्मचारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

तेज हवाओं के साथ हुई बारिश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट बदली और हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। शुरुआत में हल्की फुहारों के रूप में आई बारिश कुछ ही देर में तेज हो गई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में रखा पशुओं का चारा भीग गया, जिससे पशुपालकों को नुकसान हुआ है। वहीं, खेतों में नमी बढ़ने से किसानों को राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय रूधौली जिला–बस्ती
मो0 इब्राहिम आदि
बनाम
रमेश आदि

1. रमेश पुत्र बंशराज 2. लालबिहारी पुत्र बंशराज 3. शहनाज पत्नी मो0 शब्बीर 4. नाजमा खातून पत्नी मो0 इरफान निवासीगण ग्राम रूधौली कला तप्पा व तहसील रूधौली जिला–बस्ती 5. अधिशाषी अधिकारी जरिये नगर पंचायत रूधौली बाजार जिला–बस्ती 6. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 10–07–2025

वाजेह हो कि जर्नादन ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय रूधौली जिला–बस्ती
दिलीप कुमार आदि
बनाम
कैलाशी आदि

1. कैलाशी पत्नी रामफेर 2. राम प्रसाद 3. रामसूरत 4. शिवरतन पुत्रगण रामफेर 5. मुकेश कुमार शर्मा 6. राकेश कुमार शर्मा 7. सुरेश कुमार शर्मा 8. दिनेश कुमार शर्मा पुत्रगण रामयत्न 9. कैलाशपति पत्नी रामयत्न 10. घनश्याम शर्मा 11. बाबूराम शर्मा 12. रामगोपाल शर्मा 13. पवन कुमार शर्मा पुत्रगण स्व0 विश्राम 14. रामानन्द पुत्र पाटन 15. मनिराम पुत्र पाटन 16. शकुन्तला पुत्री परशुराम 17. जगराम पुत्र पाटन समस्त साकिनान मौजा मुड़ियार तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग 18. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधकारी बस्ती 19. अधिशाषी अधिकारी महोदय नगर पंचायत रूधौली बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय

तारीख पेशी 11–07–2025

वाजेह हो कि जर्नादन ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 121/2025
साक्षी–सायलान

1. साक्षी आयु लगभग 22 वर्ष पुत्री स्व0 सुरेन्द्र प्रसाद शुक्ला 2. सौरभ कुमार आयु लगभग 15 वर्ष 3. सुधांशु आयु लगभग 14 वर्ष 4. शशांक आयु लगभग 7 वर्ष पुत्रगण स्व0 सुरेन्द्र प्रसाद शुक्ला संरक्षिका जरिये शौतेली माता पूजा पत्नी स्व0 सुरेन्द्र प्रसाद शुक्ला 5. पूजा शुक्ला आयु 33 वर्ष पत्नी स्व0 सुरेन्द्र प्रसाद शुक्ला समस्त निवासीगण ग्राम खैरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–08–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 05–08–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 नियम 4) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
मुतफरिका नं0–43/2025
शत्रुन्जय सिंह आदि
बनाम
आशमा सिंह आदि

1. श्रीमती आशमा सिंह पत्नी स्व0 लक्ष्मेश्वर सिंह 2. ऐश्वर्यराज सिंह पुत्र स्व0 लक्ष्मेश्वर सिंह 3. कु0 अन्नया सिंह पुत्री स्व0 लक्ष्मेश्वर सिंह 4. कामेश्वर सिंह पुत्र ओंकार सिंह 5. रणन्जय सिंह पुत्र स्व0 राजा ज्वालेश्वरी प्रताप सिंह 6. रवी प्रताप पुत्र रणन्जय सिंह 7. सुरेन्द्र प्रताप सिंह मृतक 7/1 सर्वेश्वर सिंह 7/2 प्रशान्त सिंह पुत्रगण सुरेन्द्र प्रताप सिंह मृतक 7/3 निरूपमा सिंह पुत्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह मृतक 7/4 श्रीमती मंजू सिंह पत्नी सुरेन्द्र प्रताप सिंह मृतक निवासीगण ग्राम बस्ती खास राजभवन राजा मैदान पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

8. श्रीमती सावित्री देवी विधवा स्व0 अजय प्रताप सिंह पुत्री ज्वालेश्वरी प्रताप सिंह निवासी परगना मझौरा तहसील अकबरपुर जिला फैजाबाद (उ0प्र0) 9. श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी कुँवर शिवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्री ज्वालेश्वरी प्रताप सिंह निवासी ग्राम रामपुर मथुरा परगना कुन्डा तहसील सिधौली जिला–सीतापुर (उ0प्र0) 10. श्रीमती आशा कुमारी पत्नी स्व0 कुंवर आदित्य प्रताप सिंह पुत्री ओंकार सिंह निवासी ऐरोडोम रोड शास्त्री नगर सतना मध्य प्रदेश 11. श्रीमती अरूणा कुमारी सिंह पत्नी कुंवर महेश्वर सिंह पुत्री ओंकार सिंह निवासी 26 रायन कालोनी विरला नगर ग्वालियर मध्य प्रदेश 12. श्रीमती पूर्णिमा सिंह पत्नी कुंवर इन्द्रजीत सिंह निवासी अवागढ़ हाउस डैम्पिर पार्क मथुरा उ0प्र0 13. श्रीमती कल्पना सिंह पत्नी शैलेन्द्र सिंह निवासी फोर्ट पहाड़गढ़ जिला मोरेना मध्य प्रदेश 14. शालिनी सिंह पुत्री स्व0 ओंकार सिंह सभी प्रतिवादीगण वर्तमान निवास स्थान ग्राम बस्ती खास राजभवन राजा मैदान पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 31–07–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 31 माह 07 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–932/2024
शिव कुमार सिंह
बनाम
श्रीमती किरन सिंह आदि

1. श्रीमती किरन सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी कृष्ण कुमार सिंह 2. कृष्ण कुमार सिंह उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र स्व0 लल्लन सिंह निवासीगण ग्राम गौरा तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–08–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी अंजली देवी पत्नी श्री राजू प्रजापति ग्राम व पोस्ट– गायघााट जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी है। पहले आधारकार्ड में मेरा नाम कान्ती था जिसे सुधारकर अंजली देवी किया गया किन्तु सिस्टम में कभी–कभी कान्ती उठा लेता है जो गलत है। उसे सुधारकर अंजली देवी कराया जाय।

धर्म परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी धर्म प्रकाश गौतम पुत्र– छोटेलाल ग्राम– सिसौनी पोस्ट– दुबौलिया बाजार, जनपद बस्ती हाल मुकाम ग्राम व पोस्ट– मिश्रौलिया, थाना– कोतवाली जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मैंने दिनांक 12–10–1986 को हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया है।

सूचना

मैं प्रिंस सिंह पुत्र अजय सिंह ग्राम कटास, पोस्ट गौर, थाना गौर, जनपद बस्ती का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में घर का नाम हर्ष सिंह हो गया है, जो गलत है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम प्रिंस सिंह अंकित है, जो सही व सत्य है। मुझे प्रिंस सिंह के नाम से जाना पहचाना जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com